

CONCERN OVER NON-TELECAST OF DOCUMENTARY FILM ON LOK NAYAK JAI PRAKASH NARAYAN BY DOORDARSHAN

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, एक प्रसिद्ध निर्देशक द्वारा लोकनायक जयप्रकाश नारायण पर बनी फिल्म को दूरदर्शन ने सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित करने से रोका है। फिल्म निर्देशक को यह निर्देश दिया गया कि आपातकाल का विचरण इस फिल्म से निकाला जाए। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है एक कलाकार होने के नाते मेरे मन में इस घटना से बड़ी पीड़ा पहुंची है। यह कलाकारों की कला एवं स्वतंत्रता का अपमान है। यदि सत्य इतिहास की सच्चाई हो तो उसे हम कलाकार के रूप में दबा कैसे सकते हैं? मैंने अपने पत्रकार पिता से हमेशा सत्य का साथ देने का पाठ सीखा है। आपातकाल में राष्ट्रीय स्तर के अनेक नेता बन्दी बनाए गए थे। यदि आप एक डाक्युमेंट्री बना रहे हैं तो तमाम दस्तावेज सहज रूप में उसमें दिखाए जाएंगे और यह कोई काल्पनिक फिक्शन नहीं है बल्कि इतिहास की सच्चाई का जीता-जागता पन्ना है। सूचना मंत्री जी जो स्वयं जयप्रकाश जी के आंदोलन एवं आपातकाल से प्रभावित रहे हैं, उन्हें मैं क्या बताना सकती हूँ? लेकिन जयप्रकाश जी जैसे महान व्यक्तित्व की डाक्युमेंट्री के साथ हुई यह घटना दुःखद है। मैं उम्मीद करती हूँ कि लोकशाही में दोबारा इतिहास की सच्चाई को मारने की ऐसी घटना फिर दोहराई नहीं जाएगी और कलाकारों की क्रिएटिविटी पर आक्रमण नहीं किया जाएगा।

श्रीमती सविता शारदा (गुजरात): महोदय, मैं जया जी के विशेष उल्लेख का समर्थन करती हूँ।

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा): महोदय, मैं भी उनके उल्लेख का समर्थन करता हूँ।

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल): महोदय, जहां तक कला की सृजनात्मकता का संबंध है, उस पर अंकुश नहीं लगाया जाना चाहिए। मैं चाहूंगी सरकार बताए कि आखिर इस फिल्म का क्या किया गया है? इसकी स्थिति क्या है?

FELICITATIONS TO THE INDIAN CRICKET TEAM

उपसभापति: आज भारत की क्रिकेट टीम ने कलकत्ता टेस्ट जीत लिया है, इस अवसर पर मैं हाउस की तरफ से पूरी टीम को बधाई देता हूँ। Now, Shrimati N.P. Durga would make one more statement. Shrimati N.P. Durga.